

Event Report

1. Title of the Event

International Conference on “Reimagining Libraries in the Age of Artificial Intelligence: Empowering Knowledge, Culture and Sustainability for Viksit Bharat @2047”

2. Date and Venue

Date: 6th –7th November, 2025

Venue: Department of Library and Information Science, Mizoram University

3. Organizing Agency

Department of Library and Information Science (DLIS), Mizoram University, Aizawl, Mizoram.

4. Objectives of the Event

1. To explore the transformative potential of Artificial Intelligence (AI) in modernizing library services for Viksit Bharat @2047.
2. To discuss policies, ethical challenges and innovative strategies required for AI adoption in libraries.
3. To promote sustainable library practices through the integration of smart technologies for knowledge dissemination across diverse communities.
4. To examine the role of public libraries as dynamic centres for preserving indigenous knowledge and promoting India's cultural heritage.
5. To promote research collaboration among Library and Information Science (LIS) professionals for developing an AI-based ecosystem aligned with the Sustainable Development Goals and the vision of Viksit Bharat @2047.

5. Brief Proceedings and Major Highlights

The two-day international conference was organized on 6–7 November 2025 by the Department of Library and Information Science, Mizoram University. The conference provided an international forum for discussion and exchange of ideas on the transformative role of Artificial Intelligence in libraries, knowledge dissemination, cultural preservation and sustainable development.

The conference brought together researchers, academicians, library professionals and other stakeholders to deliberate upon emerging technologies and their application in library and information services. The programme included two panel discussions and twelve technical sessions, with parallel technical sessions focusing on various themes and sub-themes of the conference.

The discussions covered AI-driven library services, digital transformation and smart libraries, AI for cultural heritage preservation, libraries and Sustainable Development Goals, ethical and policy dimensions of AI, digital literacy and capacity building, indigenous knowledge and vernacular content, AI-enabled cataloguing and information retrieval, research data management and AI in scholarly communication.

Major Highlights:

- Successful organization of a two-day international conference.
- Participation of 230 delegates from India and abroad.
- Presentation of 100 scholarly papers aligned with the conference objectives and agenda.
- Participation of distinguished national and international experts.
- Panel discussions and technical sessions on AI and the future of libraries.
- Discussions on ethical, legal and policy challenges associated with AI adoption.
- Emphasis on preservation of indigenous knowledge and cultural heritage.
- Promotion of research collaboration among LIS professionals and institutions.
- Discussion on sustainable and energy-efficient AI practices in libraries.
- Exchange of international best practices and innovative approaches for modernizing library services.

6. Participants

The conference was attended by researchers, academicians, library and information science professionals, students, policymakers and other stakeholders from India and abroad.

Total Participants: 330

7. Outcomes/Impact of the Event

The conference provided a significant platform for knowledge exchange and interdisciplinary discussion on the integration of Artificial Intelligence into library and information services. It enhanced awareness among library professionals and researchers regarding the opportunities and challenges associated with AI-driven transformation.

The event contributed to identifying innovative approaches for developing intelligent, inclusive and sustainable libraries. Discussions focused on improving accessibility, multilingual knowledge dissemination, preservation of India's diverse cultural heritage and responsible adoption of AI technologies.

The conference also promoted collaboration among librarians, researchers, technologists and policymakers and encouraged the development of AI-driven models for resource discovery, metadata enrichment, user engagement and knowledge management.

The deliberations further supported the vision of Viksit Bharat @2047 by emphasizing libraries as dynamic knowledge hubs that can promote lifelong learning, social cohesion, cultural preservation and equitable access to information.

8. Details of NEC Assistance

The project was provided financial assistance by the North Eastern Council (NEC), Shillong.

Total sanctioned cost: ₹8.00 lakh

9. High-Resolution Colour Photographs





कार्यक्रम रिपोर्ट

1. कार्यक्रम का शीर्षक

“कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में पुस्तकालयों की पुनर्कल्पना: विकसित भारत @2047 हेतु ज्ञान, संस्कृति एवं संधारणीयता का सशक्तीकरण” विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

2. तिथि एवं स्थान

तिथि: 6-7 नवंबर, 2025

स्थान: पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, मिज़ोरम विश्वविद्यालय

3. आयोजक संस्था

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग (डीएलआईएस), मिज़ोरम विश्वविद्यालय, आइज़ोल, मिज़ोरम।

4. कार्यक्रम के उद्देश्य

- विकसित भारत @2047 हेतु पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की परिवर्तनकारी क्षमता का अन्वेषण करना।
- पुस्तकालयों में एआई को अपनाने हेतु आवश्यक नीतियों, नैतिक चुनौतियों एवं नवोन्मेषी रणनीतियों पर चर्चा करना।
- विविध समुदायों में ज्ञान के प्रसार हेतु स्मार्ट प्रौद्योगिकियों के एकीकरण के माध्यम से संधारणीय पुस्तकालय पद्धतियों को बढ़ावा देना।
- देशज ज्ञान के संरक्षण एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन हेतु गतिशील केंद्रों के रूप में सार्वजनिक पुस्तकालयों की भूमिका का परीक्षण करना।
- सतत विकास लक्ष्यों तथा विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप एआई-आधारित पारितंत्र विकसित करने हेतु पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एलआईएस) पेशेवरों के बीच अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना।

5. संक्षिप्त कार्यवाही एवं प्रमुख विशेषताएं

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, मिज़ोरम विश्वविद्यालय द्वारा 6-7 नवंबर, 2025 को किया गया। सम्मेलन ने पुस्तकालयों, ज्ञान प्रसार, सांस्कृतिक संरक्षण एवं संधारणीय विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी भूमिका पर चर्चा एवं विचारों के आदान-प्रदान हेतु एक अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया।

सम्मेलन में शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, पुस्तकालय पेशेवरों एवं अन्य हितधारकों ने उभरती प्रौद्योगिकियों तथा पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं में उनके अनुप्रयोग पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में दो पैनल चर्चाएं एवं बारह तकनीकी सत्र सम्मिलित थे, जिनमें सम्मेलन के विभिन्न विषयों एवं उप-विषयों पर केंद्रित समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

चर्चाओं में एआई-संचालित पुस्तकालय सेवाएं, डिजिटल रूपांतरण एवं स्मार्ट पुस्तकालय, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण हेतु एआई, पुस्तकालय एवं सतत विकास लक्ष्य, एआई के नैतिक एवं नीतिगत आयाम, डिजिटल साक्षरता एवं क्षमता निर्माण, देशज ज्ञान एवं स्थानीय भाषा सामग्री, एआई-सक्षम सूचीकरण एवं सूचना पुनर्प्राप्ति, अनुसंधान डेटा प्रबंधन तथा विद्वत संचार में एआई जैसे विषय सम्मिलित थे।

प्रमुख विशेषताएं:

- दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफल आयोजन।
- भारत एवं विदेशों से 230 प्रतिनिधियों की सहभागिता।
- सम्मेलन के उद्देश्यों एवं कार्यसूची के अनुरूप 100 शोध-पत्रों की प्रस्तुति।
- प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की सहभागिता।
- एआई एवं पुस्तकालयों के भविष्य पर पैनल चर्चाएं एवं तकनीकी सत्र।
- एआई को अपनाने से जुड़ी नैतिक, विधिक एवं नीतिगत चुनौतियों पर चर्चा।
- देशज ज्ञान एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर बल।
- एलआईएस पेशेवरों एवं संस्थानों के बीच अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा।
- पुस्तकालयों में संधारणीय एवं ऊर्जा-दक्ष एआई पद्धतियों पर चर्चा।
- पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण हेतु अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम पद्धतियों एवं नवोन्मेषी दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान।

7. प्रतिभागी

सम्मेलन में भारत एवं विदेशों से शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पेशेवरों, विद्यार्थियों, नीति-निर्माताओं एवं अन्य हितधारकों ने भाग लिया।

कुल प्रतिभागी: 330

7. कार्यक्रम के परिणाम/प्रभाव

सम्मेलन ने पुस्तकालय एवं सूचना सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण पर ज्ञान के आदान-प्रदान एवं अंतर्विषयक चर्चा हेतु एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। इससे पुस्तकालय पेशेवरों एवं शोधकर्ताओं में एआई-संचालित रूपांतरण से जुड़े अवसरों एवं चुनौतियों के प्रति जागरूकता बढ़ी।

इस कार्यक्रम ने बुद्धिमान, समावेशी एवं संधारणीय पुस्तकालयों के विकास हेतु नवोन्मेषी दृष्टिकोणों की पहचान में योगदान दिया। चर्चाएं सुगम्यता में सुधार, बहुभाषी ज्ञान प्रसार, भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा एआई प्रौद्योगिकियों को उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से अपनाने पर केंद्रित रहीं।

सम्मेलन ने पुस्तकालयाध्यक्षों, शोधकर्ताओं, प्रौद्योगिकीविदों एवं नीति-निर्माताओं के बीच सहयोग को भी बढ़ावा दिया तथा संसाधन खोज, मेटाडेटा संवर्धन, उपयोगकर्ता सहभागिता एवं ज्ञान प्रबंधन हेतु एआई-संचालित मॉडलों के विकास को प्रोत्साहित किया।

विचार-विमर्श ने पुस्तकालयों को ऐसे गतिशील ज्ञान केंद्रों के रूप में रेखांकित करते हुए विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण को और समर्थन दिया, जो आजीवन अधिगम, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं सूचना तक समान पहुंच को बढ़ावा दे सकते हैं।

8. उत्तर पूर्वी परिषद की सहायता का विवरण

इस परियोजना हेतु उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी), शिलांग द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

कुल स्वीकृत लागत: ₹8.00 लाख

9. उच्च-विभेदन (हाई-रेज़ोल्यूशन) रंगीन छायाचित्र



